बजट अनुमान 2007-08 के संदर्भ में
आय तथा व्यय की प्रवृत्तियों की समीक्षा

छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा छत्तीसगढ़ राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंध अधिनियम, 2005 (क्रं.16 2005) अधिनियमित किया गया है ।

इस अधिनियम की धारा 6 (1) के तहत् वित्त विभाग के प्रभारी मंत्री हर तिमाही में बजट अनुमानों के संदर्भ में प्राप्तियों और व्यय की प्रवृत्तियों की समीक्षा करेंगें और ऐसी समीक्षाओं के निष्कर्ष विधानसभा के सदन में रखेंगें । इस अधिनियम की धारा 6 (3) (दो) के अनुसार जब अप्रत्याशित परिस्थिति के कारण राज्य सरकार इस अधिनियम के अंतर्गत् डाली गई बाध्यता की पूर्ति में कोई विचलन होता है तब वित्त मंत्री विधानसभा के सदन में निम्नलिखित को स्पष्ट करते हुये बयान देंगें :-

(क) इस अधिनियम के अंतर्गत् राज्य सरकार पर डाली गई बाध्यता की पूर्ति में ऐसा विचलन ;
(ख) क्या ऐसा विचलन भारी मात्रा में और वास्तविक या संभाव्य बजटीय परिणामों से संबंधित है; तथा
(ग) राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित उपचारात्मक उपाय ।

छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग के प्रभारी मंत्री द्वारा वार्षिक बजट 2007-08 के संदर्भ में प्रथम तथा द्वितीय तिमाही की आय तथा व्यय की समीक्षा की गई । इन समीक्षाओं का निष्कर्ष निम्नानुसार रहा :-

राजस्व आय की समीक्षा

राज्य की कुल राजस्व आय में निम्नानुसार भाग होते हैं :-

1. राज्य को प्राप्त होने वाले केन्द्रीय करों का हिस्सा ।
2. राज्य का कर राजस्व ।
3. राज्य का करेत्तर राजस्व ।
4. केन्द्र सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान ।

वर्ष 2007-08 के बजट में राजस्व आय हेतु राशि रूपये 13466.97 करोड़ का प्रावधान है । महालेखाकर से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार राज्य की कुल राजस्व प्राप्तियां अप्रैल से जून, 2007 की अवधि में रूपये 2270.41 करोड़ तथा जुलाई से सितंबर, 07 की अवधि में रूपये 2531.83 करोड़ की थी जो कि बजट अनुमान 2007-08 के संदर्भ में क्रमशः

16.86 तथा 18.80 प्रतिशत है । निम्नलिखित टेबल द्वारा बजट अनुमान 07-08 के संदर्भ में प्रथम तथा द्वितीय तिमाही में प्राप्त राजस्व प्राप्तियों का विस्तृत विवरण दिया गया है:-

राज्य की कुल राजस्व प्राप्तियों की प्रवृत्तियां

(राशि करोड़ में)

क्र.	मद	बजट अनुमान 2007-08	महालेखाकार से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार			
			अप्रैल से जून, 2007 की अवधि में	बजट अनुमान का प्रतिशत	जुलाई से सितंबर, 2007 की अवधि में	बजट अनुमान का प्रतिशत
1.	केन्द्रीय करों का हिस्सा	3315.46	811.23	24.46	811.23	24.46
2.	राज्य का कर राजस्व	6027.92	1052.26	17.45	1063.40	17.64
3.	राज्य का करेत्तर राजस्व	1743.97	406.91	23.33	360.99	20.70
4.	केन्द्र सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान	2379.62	00.01	00.00	296.21	12.44
कुल राजस्व प्राप्तियां		**13466.97**	**2270.41**	**16.86**	**2531.83**	**18.80**

1. <u>केन्द्रीय करों का हिस्सा</u> - केन्द्र सरकार के वार्षिक बजट 2007-08 के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य को प्राप्त होने वाले केन्द्रीय करों का अनुमानित हिस्सा राशि रूपये 3785.83 करोड़ है । यह राज्य बजट 2007-08 में अनुमानित किये गये राशि रूपये 3315.46 करोड़ से अधिक है । राज्य बजट के पुनरीक्षित अनुमान में वास्तविक प्राप्तियों के आधार पर इस मद की प्राप्तियां दर्शायी जावेगी । अप्रैल से जून, 2007 की अवधि में इस मद में प्राप्तियां रूपये 811.23 करोड़ तथा जुलाई से सितंबर, 2007 की अवधि में इस मद में प्राप्तियां रूपये 811.23 करोड़ की थी जो कि बजट अनुमान का क्रमशः 24.46 प्रतिशत तथा 24.46 प्रतिशत है । इस वर्ष अप्रैल से सितंबर की अवधि में प्राप्त केन्द्रीय करों का हिस्सा गत वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त राशि का 25.57 प्रतिशत अधिक है ।

2. <u>राज्य का कर राजस्व</u> - राज्य के कर राजस्व का बजट अनुमान 2007-08 के संदर्भ में प्रवृत्तियां निम्नानुसार है :-

(राशि करोड़ में)

बजट अनुमान 2007-08	अप्रैल-जून, 2007 की प्राप्तियां	बजट अनुमान के संदर्भ में प्रतिशत	जुलाई-सितंबर, 2007 की प्राप्तियां	बजट अनुमान के संदर्भ में प्रतिशत
6027.92	1052.26	17.45	1063.40	17.64

राज्य की कर राजस्व की माह अप्रैल-सितंबर तक की प्राप्तियां गत वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त राजस्व की तुलना में लगभग 2 प्रतिशत अधिक है । राज्य के कर राजस्व की कुछ प्रमुख मदों की प्राप्तियां निम्नानुसार है -

(राशि करोड़ में)

मद	बजट अनुमान 2007-08	अप्रैल-जून, 2007 की प्राप्तियां	बजट अनुमान के संदर्भ में प्रतिशत	जुलाई-सितंबर, 2007 की प्राप्तियां	बजट अनुमान के संदर्भ में प्रतिशत
स्टाम्प व पंजीकरण	435.23	111.82	25.69	93.40	21.45
ब्रिकी कर	3280.00	600.61	18.31	684.02	20.85
राज्य उत्पाद शुल्क	828.22	230.18	27.79	167.11	20.17
बिजली पर कर और शुल्क	481.00	95.14	19.78	98.77	20.53

3. <u>राज्य का करेत्तर राजस्व</u> - राज्य के करेत्तर राजस्व का अप्रैल-जून, 2007 तथा जुलाई-सितंबर, 2007 तक की प्राप्तियों का बजट अनुमान के संदर्भ में प्रवृत्तियां निम्नानुसार है :-

(राशि करोड़ में)

बजट अनुमान 2007-08	अप्रैल-जून, 2007 की प्राप्तियां	बजट अनुमान के संदर्भ में प्रतिशत	जुलाई-सितंबर, 2007 की प्राप्तियां	बजट अनुमान के संदर्भ में प्रतिशत
1743.97	406.91	23.33	360.99	20.70

राज्य की करेत्तर राजस्व की माह अप्रैल-सितंबर तक की प्राप्तियां गत वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त राजस्व की तुलना में लगभग 17 प्रतिशत अधिक है ।

4. <u>केन्द्र सरकार से प्राप्त सहायक अनुदान</u> - केन्द्र से प्राप्त सहायक अनुदान की अप्रैल-जून, 2007 तथा जुलाई-सितंबर, 2007 तक की प्राप्तियों का बजट अनुमान के संदर्भ में विवरण निम्नानुसार है:-

(राशि करोड़ में)

बजट अनुमान 2007-08	अप्रैल-जून, 2007 की प्राप्तियां	बजट अनुमान के संदर्भ में प्रतिशत	जुलाई-सितंबर, 2007 की प्राप्तियां	बजट अनुमान के संदर्भ में प्रतिशत
2379.62	00.01	00.00	296.21	12.44

इस प्रकार कुल राजस्व प्राप्तियां में बजट अनुमानों के संदर्भ में किसी प्रकार की कमी नहीं होने का अनुमान है । अप्रैल-सितंबर, 2007 की अवधि में प्राप्त कुल राजस्व प्राप्तियां गत वर्ष के इसी अवधि में प्राप्त राजस्व प्राप्तियां की तुलना में लगभग 12.68 प्रतिशत अधिक है ।

व्यय की समीक्षा

वर्ष 2007-08 के बजट अनुमान में राजस्व व्यय हेतु राशि रूपये 11665.62 करोड़ का प्रावधान किया गया था । प्रथम अनुपूरक अनुमान 2007-08 को शामिल करने पर यह व्यय रूपये 12169.57 करोड़ अनुमानित है । इसी प्रकार बजट अनुमान 2007-08 में पूंजीगत व्यय राशि रूपये 3558.90 करोड़ अनुमानित किया गया था जो कि प्रथम अनुपूरक अनुमान 2007-08 को शामिल करने के बाद रूपये 3643.78 करोड़ अनुमानित है । बजट अनुमानों के संदर्भ में व्यय की स्थिति निम्नानुसार है :-

(राशि करोड़ में)

क्र.	मद	बजट अनुमान 2007-08*	अप्रैल-जून, 2007 तक व्यय	बजट अनुमान के संदर्भ में प्रतिशत	जुलाई-सितंबर, 2007 तक व्यय	बजट अनुमान के संदर्भ में प्रतिशत
1.	राजस्व व्यय	12169.57	1694.32	13.92	2241.33	17.76
2.	पूंजीगत व्यय	3643.78	421.83	11.58	328.70	09.00
3.	ऋण तथा अग्रिम	544.28	184.47	33.89	231.92	42.61
कुल		**16357.63**	**2300.62**	**14.06**	**2801.95**	**17.13**

* प्रथम अनुपूरक अनुमान 2007-08 को शामिल करते हुये ।

बजट अनुमान वर्ष 2007-08 में आयोजना व्यय हेतु राशि रूपये 7840.62 करोड़ का प्रावधान किया गया था जो कि प्रथम अनुपूरक अनुमान को शामिल करने के उपरांत राशि रूपये 8547.42 करोड़ अनुमानित है । वित्त मंत्री द्वारा ली गई समीक्षा के दौरान अप्रैल-जून, 2007 की अवधि में इस मद में राशि रूपये 991.95 करोड़ का व्यय पाया गया जो कि बजट अनुमान 2007-08 के संदर्भ में 13 प्रतिशत है । जुलाई-सितंबर, 2007 की स्थिति में इस मद में व्यय राशि रूपये 1270.71 करोड़ था जो कि बजट प्रावधान 2007-08 (प्रथम अनुपूरक को शामिल करते हुये) के संदर्भ में 15 प्रतिशत है । आयोजना संबंधी व्यय प्रथम छै:माह में ग्रीष्म तथा वर्षा ऋतु के कारण कम होता है । इस मद में वर्ष के शेष माहों में बजट में प्रावधानित संपूर्ण राशि व्यय किये जाने का अनुमान है ।

वर्ष 2006-07 में अप्रैल से सितंबर की अवधि में बजट अनुमान राशि रूपये 5570 करोड़ के विरूद्ध 1516.63 करोड़ व्यय किया गया था जो कि बजट अनुमान का 27.23 प्रतिशत है तथा इस वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 49 प्रतिशत कम है ।

बजट अनुमानों के संदर्भ में आयोजना तथा आयोजनेत्तर व्यय की स्थिति निम्नानुसार है :-

क्र.	मद	बजट अनुमान* 2007-08	अप्रैल से जून, 2007 तक व्यय	बजट अनुमान के संदर्भ में प्रतिशत	जुलाई - सितंबर, 2007 तक व्यय	बजट अनुमान के संदर्भ में प्रतिशत
1.	आयोजना व्यय	8547.42	991.95	11.60	1270.71	14.87
2.	आयोजनेत्तर व्यय	7810.21	1308.67	16.76	1531.24	19.61
	कुल	**16357.63**	**2300.62**	**14.06**	**2801.95**	**17.13**

- प्रथम अनुपूरक अनुमान 2007-08 को शामिल करते हुये ।

समग्र वित्तीय संक्षेपिका

छत्तीसगढ़ राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंध अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अनुसार दिनांक 31 मार्च, 2009 तक राज्य का राजस्व घाटा शून्य स्तर पर तथा वित्तीय घाटे को सकल घरेलु उत्पाद के 3 प्रतिशत तक सीमित करना है । इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु राज्य को वार्षिक लक्ष्य का निर्धारण छत्तीसगढ़ राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंध अधिनियम, 2005 में संशोधन के माध्यम से दर्शाया गया है ।

अप्रैल, 2007 से सितंबर, 2007 की आय तथा व्यय की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि बजट अनुमान 2007-08 में प्रावधानित राजस्व आधिक्य रूपये 1801.35 करोड़ तथा प्रथम अनुपूरक अनुमान 2007-08 को शामिल करने के उपरांत अनुमानित राजस्व आधिक्य रूपये 1297.40 करोड़ की तुलना में वास्तविक राजस्व आधिक्य में वृद्धि होगी ।

बजट अनुमान 2007-08 में प्रावधानित वित्तीय घाटा रूपये -1566.85 करोड़ जो कि प्रथम अनुपूरक को शामिल करने के उपरांत रूपये -2414.82 करोड़ अनुमानित है, की तुलना में वित्तीय घाटे में कमी का अनुमान है । वित्तीय घाटा इस वर्ष के लिये निर्धारित लक्ष्य के स्तर पर लाने का प्रयास किया जावेगा ।

डॉ.रमन सिंह
वित्त विभाग के
प्रभारी मंत्री